>

Title: Regarding river pollution in Western Uttar Pradesh.

श्री हुकुम सिंह (कैराना) : अध्यक्ष जी, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुजफ्फर नगर, सहारनपुर, शामली, मेरठ, बागपत आदि इलाके आते हैं। वहां जितनी भी नदियां हैं, वे इतनी प्रदूषित हो चुकी हैं कि वे स्वयं तो प्रदूषित हैं ही, उन्होंने वहां के ग्राउंड वाटर को भी प्रदूषित कर दिया है। वहां पीने का पानी नहीं मिलता है। वहां का पानी खेती करने लायक भी नहीं बचा है। इस बात को बार-बार उठाया भी गया, लेकिन इस संबंध में जो प्रभावी कार्यवाही होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई है।

मैं इस संबंध में उदाहरण भी देना चाहता हूं कि सबसे पवित्र नदी 'गंगा' का, जिसके बारे में आज सदन में प्रश्न भी पूछा गया है। आज गंगा नदी की हालत यह है कि हरिद्वार में 70 प्रतिशत पानी बिना ट्रीटमेंट के जाता है। वहां से आगे हिंडन नदी, कृष्णा नदी और कई नदियां उसमें मिलती हैं। हिंडन और कृष्णा पौराणिक नदियां हैं लेकिन अगर उन नदियों के किनारे खड़े हो जाएं, तो वहां इतनी बदबू आती है कि दो मिनट के लिए भी वहां खड़ा रहना असहनीय होता है।

मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से आग्रह है कि जो हमारा प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड है, उसे निर्देशित करे और एक टीम गठित करे। वह टीम वहां जाए और जितने उद्योग नदी के किनारे लगे हैं, जिनका प्रदूषित पानी नदी में जाता है और उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट भी नहीं लगवाए हैं। वह टीम वहां जा कर निरीक्षण करे और निरीक्षण करने के बाद जो भी उचित कार्यवाही हो, उसे करके तुरंत दूषित पानी को गंगा नदी में मिलाने से रोका जाए। आज मानव जीवन खतरे में है।

अध्यक्ष जी, मैं बहुत भारी मन से बोल रहा हूं। मैं उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं जब भी अपने संसदीय क्षेत्र के गांवों में जाता हूं तो मुझे शिकायत मिलती है कि गंदा पानी वहां की नदियों में मिल रहा है, जिसकी वजह से कैंसर की बीमारी बढ़ रही है। मैं पूरी गंभीरता से आग्रह करता हूं कि वहां तुरंत जल प्रदूषण को नियंत्रित किया जाए।